# वीर निर्वाण स्मारक-१९८१ (फोल्डर नं. ०१४०३३)

## सम्पादक – ज्ञानचन्द बिल्टीवाला


मुख्य टाइटल

प्रथम खण्ड – महावीर-जीवन सिद्धान्त एवं उपदेश

सन्मति की खिरती वाणी में भरा विश्व का सार है – श्री कल्याणकुमार जैन ---------- १

प्रेरणा के पुंज भगवान महावीर – श्री लादूलाल जैन ----------२

महावीर संप्रदायवाद से आवृत्त एक ज्योति पुंज – श्री कपूरचन्द जैन ---------- ४

जय महावीर – श्रीमती सुशीलादेवी जैन ---------- ७

वर्तमान संदर्भ में भगवान महावीर डॉ. देवेन्द्रकुमार शास्त्री ----------८

भगवान महावीर का ध्यान नित्य नियमित रूप से करें – श्री अगरचन्द नाहटा ----------१२

श्रम और समता के उन्नायक भगवान महावीर – डॉ. महेन्द्रसागर प्रचण्डिया ---------- १६

महावीर से हम कितनी दूर कितने पास – श्री ज्ञानचन्द बिल्टीवाला ---------- १९

भगवान महावीर का मानवतावाद – श्री अशोककुमार ---------- २२

महावीर का नारा – श्री प्रसन्नकुमार सेठी ---------- २५

तीर्थंकर महावीर और उनके धर्म का स्वरूप – श्री आचार्य राजकुमार जैन ---------- २६

भगवान महावीर की आधुनिक युग को देन – श्री राजकुमार जैन एड़वोकेट ----------३१

महावीर के उपदेशों को – श्री शर्मनलाल ---------- ३३

पशु क्रूरता-एक विचारणीय विषय – श्री हीराचन्द बैद ---------- ३४

नैतिक चारित्र के अपरिवर्तनीय आयाम – डॉ. ज्योतिप्रसाद जैन ---------- ४१

अनन्त जीवन के साथी – श्री राजकिशोर जैन ---------- ४५

महावीर का आह्वान – श्री अनूपचन्द न्यायतीर्थ ---------- ४६

वीर वन्दना – डॉ. शोभानाथ पाठक ---------- ४८

उपदेश सन्मति ने दिये हैं – श्री हजारीलाल काका ---------- ४९

पुनः जरुरत है इस युग को महावीर के सन्देश की – श्री ज्ञानचन्द्र ज्ञानेन्द्र ---------- ५०

ज्ञान आत्मा का गुण – सुश्री राजकुमारी जैन ---------- ५१

अचौर्य (अस्तेय) व्रतः आधुनिक सन्दर्भ में – डॉ. राजेन्द्रकुमार बंसल ---------- ५४

महावीर मनीषइयों दृष्टि में – सं. राकेश कुमार छाबड़ा ---------- ५८

द्वितीय खण्ड – भगवान बाहुबली इतिहास, पुरातत्त्व एवं कला

बारंबार प्रणाम – श्री पं. हीरालाल जैन ---------- १

भगवान बाहुबली-महामस्तकाभि,क मंगलानुष्ठान एक पृष्ठ भूमि – डॉ. निजामुद्दीन ----------२

प्रथम मोक्षगामी व विद्रोही बाहुबली – श्री प्रवीणचन्द्र चाबड़ा ---------- ७

मस्तकाभिषेक-महामस्तकाभिषेक – श्री रवीन्द्र जैन ---------- ११

भगवान बाहुबली-महामस्तकाभिषेक एक रिपोर्ताज – कुमारी प्रीति जैन----------१२

श्रवण बेलगोल और नारी – डॉ. श्रीमती शान्ता भानावत ---------- १६


Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

प्राचीनतम जैन कलारत्न – श्री शैलेन्द्रकुमार रस्तोगी ----------२१
श्रवणबेलगोल का धार्मिक एवं सामाजिक महत्व – डॉ. श्री नरेन्द्र भानावत ---------- २४
शासन देव पूजा मिथ्यात्व – श्री बिरधीलाल सेठी ---------- ३२
मथुरा के जैन पुरातत्त्व-अवशेष – श्री गणेशप्रसाद जैन ---------- ३४
मंत्र शक्ति कोरी कल्पना – श्री फतहचन्द सेठी ---------- ४०
जैन सिद्धान्त और हम – पं. श्री राजकुमार शास्त्री ---------- ४२

तृतीय खण्ड – साहित्य और संस्कृति

कूटस्थ श्रुत केवली आचार्य कुन्दकुन्द – प्रो. श्री रंजन सूरिदेव---------- १
अमृतचन्द्र की देन – श्री कैलाशचन्द्र शास्त्री ---------- ५
असद्भूत व्यवहार नय वस्तु धर्म का प्रतिपादन – श्री रतनचन्द जैन ---------- ९
प्राकृत भाषा एवं आधुनिक भाषा – डॉ. प्रेसुमन जैन ----------१३
संस्कृति की दो धारायें – डॉ. बी.सी. जैन ---------- १७
चार्य कुन्दकुन्द के प्राकृत साहित्य का सूफईवाद और रहस्यवाद पर प्रभाव – डॉ. दामोदर शास्त्री ---------- १९
अपभ्रंश एवं हिन्दी जैन साहित्य में शोध के नये क्षेत्र – डॉ. कस्तूरचन्द कासलीवाल ---------- ३२
उत्तर पुराण कालीन सामाजिक जीवन – डॉ. प्रेमचन्द जैन ---------- ३९
क्षपक का समाधिकरण क्षपक व आराधक की समानार्थकता – पं. बालचन्द शास्त्री ---------- ४५
भारतीय दर्शनों में मोक्ष चिंतन – डॉ. उदयचन्द्र जैन ---------- ५४

चतुर्थ खण्ड – सेवा-संस्थाये

उत्तर भारत का एक आकर्षक जैन केन्द्र – श्री प्रतापचन्द्र जैन ---------- १
आज का युग – श्री श्रेयांस जैन---------- ६
इनकी पवित्रता को बचिये – श्री बुद्धिप्रकाश भास्कर ---------- ७
कैसी संस्थाये कैसा काम – श्री राजेश सोगाणी ---------- ९
धर्म की प्रभावना कैसे करें – श्री बंशीधर शास्त्री----------१३
राजस्थान की कतिपय संस्थायें – श्री अक्षय जैन ---------- १७
पंच कल्याणक महोत्सव – श्री के.सी. जैन ---------- २०
आरोग्य का मूर्तिमान स्वरूप जैनाचार्य – श्री बाबूलाल जैन ---------- २२

पंचम खण्ड – नई प्रतिमा

महावीर का कर्म सिद्धान्त – कुमारी मंजू भाड़चूर ---------- १
महावीर का अहिंसा सिद्धान्त – कुमारी मंजू भण्डारी ---------- ४
शुद्ध भाव बनाम साम्य भाव – श्री कैलाश मलैया ---------- ७
महावीर का दिग्दर्शन – श्री भानु जैन ----------१२
Jain Culture – Shri Arhan Mukesh Jain ---------- 12
महावीर के जन्म दिवस की बेला आई – सुश्री हेमलता जोहरापुरकर ----------१३

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org

भगवान गोमटेश्वर का महामस्तकाभिषेक तथा संत समागम और वैयावृत्य – श्री योगेन्द्र कुमार---------- १४
केवल ३१ बात सीखें – पू. प्रवचनमतीजी ---------- २०

English Contents

The Concept of Dharma in Jainism – Dr. Harnendra Pd. Verma ---------- 1
Leshyas : Thought Forms and colours – Shri Virendra Veer Baj ---------- 10
Accounting of our actions in Jainalogy – Shri R. C. Sethi---------- 16
Date of Constructions Jain Keertistambh of Chittor – Shri Ram Vallabh Somani --------- 19

Jain Education International For Private & Personal Use Only www.jainelibrary.org